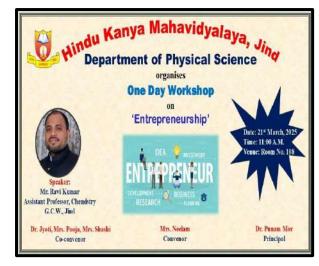
## Department of Physics & Chemistry Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind Event: One Day Workshop on Entrepreneurship 21<sup>st</sup> March, 2025

A one-day workshop was organized by the Department of Physics & Chemistry at Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind on 21st March, 2025. The theme of the workshop was Entrepreneurship & Career Opportunities. The workshop was inaugurated by the principal of the college, Dr Punam Mor. Addressing the students of the Science Department, Dr. Punam Mor said how India is making its mark in entrepreneurship all over the world and women entrepreneurs have made their commendable contribution in this recognition in the present scenario. The Resource Person of this workshop was Mr. Ravi Kumar, Assistant Professor of Chemistry, Priyadarshani Indira Gandhi Mahavidyalaya, Jind. He explained to the students what kind of competencies an entrepreneur should have and elaborated on the barriers to entrepreneurship and the solutions to overcome them. At the end of the workshop, Principal Dr. Poonam Mor, Head of the Department of Physics & Chemistry Mrs. Neelam, Dr. Jyoti, Mrs. Pooja and Mrs. Suman Mor awarded mementos to the keynote speaker. A total of 36 students participated in the workshop.

## **Glimpses and Media Coverage of the Event**











## हिंदू कालेज में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जीद. 21 मार्च (ललित): हिंदू कल्या कालेज में विज्ञान विभाग ढारा । दिवसीय कार्वशाल का आयोजन करवाया गया। इसका विषय उद्यमशीलता रहा। इस कार्यशाल का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. यूनम मोर ने किया। उन्होंने विज्ञान विभाग की छात्राओं को संबोधिक करते हुए बताया कि आज किस प्रकार से उद्यमशौलता में भारत पुरे विश्व में अपनी अलग घड़वान बना रहा है और महिला उत्यपिओं के उस्य पाडवान में अपना साहनीय जनना अलग नहचान बना रहा हे आर माहरी। ठद्यमियों ने इस पहचान में अपना सराहनीय योगदान दिया है।

कार्यशाला के मुख्य बक्ता प्रियदर्शनी इंदिग गांधी महाविद्यालय जींद के रासायनिक विज्ञान

के प्रो. रवि कुमार ने छात्राओं को संबोधित के प्रो. रवि कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बतावा कि उद्यमशीलता में किम तरह समाज में उपत्वक्ष समस्या को बुंदुकर उसका निवारण किया जात है। उन्होंने ब्रेनाम कि एक उद्यमशील में किस प्रकार की योग्यताएं होनी चाहिए और उद्यमशीलना में अने वाला बाधाओं और उत्तको रूर करने उस्टे समाधान के बारे में विस्तृत जानकार है। कार्ययाला के आतम चरण में प्राचार्था हो पूनम सोर व बिजान विभागाध्यक्ष नीलम, डॉ ज्याति, पूजा एवं समन मोर ने मुख्य वका के समति चिक्त से सम्मानित किया। कार्ययालम विजान विभाग की 36 छात्राएं मौजूर रही।

